क्लस्टर योजनांतर्गत कार्यशाला का आयोजन दिनांक 28–12–2019

मध्य प्रदेश शासन की क्लस्टर योजना के अंतर्गत उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल द्वारा आज दिनांक 28–12–2019 को एक राज्य स्तरीय कार्यशाला "वर्तमान परिदृश्य में प्रशिक्षण के नए आयाम" का आयोजन मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस कार्यशाला में मध्य प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों से क्लस्टर प्रभारी कार्यशाला हेतु एकत्रित हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रो. आर.जे. राव उपस्थित हुए, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल से डॉ. गीता सक्सेना, संचालक तथा प्रशासनिक अधिकारी डॉ. एस.एस. विजयवर्गीय उपस्थित रहे। विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी परिषद् के महानिदेशक डॉ. आर.के आर्य ने अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि के रूप में आइसर भोपाल के सी.ई.ओ. डॉ. अमजद हुसैन कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में विज्ञान की शोध एवं विकास योजनाओं को जनसामान्य तक पहुँचाए जाने पर बल दिया। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. अमजद हुसैन ने विज्ञान और व्यवसाय विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के दौरान विज्ञान के उपयोग से प्लांट टिश्यू कल्चर जैसे लाभकारी व्यवसायों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में सम्मिलित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने विज्ञान भवन में स्थापित आधुनिक तकनीकयुक्त प्रयोगशालाओं का भी भ्रमण किया। कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश को विज्ञान के क्षेत्र में एजुकेशन हब बनाने हेतु अहम निर्णय लिया। इस दौरान परिषद् के वैज्ञानिक परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यशाला में 20 महाविद्यालयों से आये प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें स्थानीय महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी, विवेकानन्द मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी तथा क्लस्टर योजनांतर्गत 12 सदस्य महाविद्यालयों के विज्ञान के प्राध्यापक एवं प्रतिभावान छात्रों सहित लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में डॉ. एस.एस. विजयवर्गीय द्वारा क्लस्टर योजना के उद्देश्य तथा विवेकानन्द केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा दी जाने वाली ट्रेनिंग को वर्तमान परिदृश्य में छात्रहित में और अधिक उन्नत किए जाने पर मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी परिषद् से एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किए जाने की जानकारी सभी क्लस्टर प्रतिभागी महाविद्यालयों तथा भोपाल संभाग के अन्य महाविद्यालयों से आये प्रतिभागियों को दी।

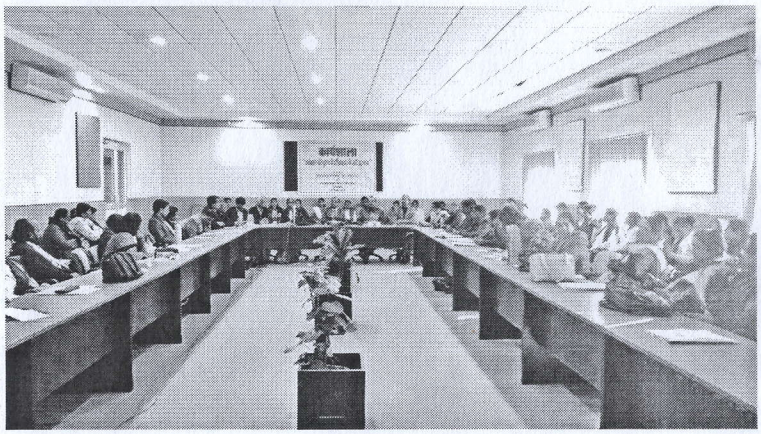

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में क्लस्टर प्रतिभागी महाविद्यालयों की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें विवेकानन्द केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ का उपयोग, विषय–विशेषज्ञों की सहायता से दी जाने वाली ट्रेनिंग तथा उसमें आने वाली कठिनाईयों के बारे में चर्चा की

I.T. Cell document uploaded 24/1/2020

गई। चर्चा के दौरान कुछ नए विषयों जैसे – सोलर उर्जा का उपयोग, जल तथा मृदा से संबंधित ट्रेनिंग तथा विद्यार्थियों को कौशल विकास की जानकारी देने वाली संस्थाओं के विषय में विस्तृत चर्चा की गई। इस सत्र में क्लस्टर योजना के नोडल संस्थान उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल के प्राध्यापक डॉ. सुनील मिश्रा, डॉ. महेन्द्र सिंघई, डॉ. अंजलि आचार्य, डॉ. दीपा जौहरी, डॉ. मनोज कुमार शुक्ला एवं रसायन विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सरिता श्रीवास्तव द्वारा प्रतिभागियों को कर्यशाला के विभिन्न उद्देश्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यशाला के तृतीय सत्र में उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा एम.पी.सी. एस.टी. द्वारा प्रशिक्षण के उपरांत बनाए गए रसायनिक उत्पाद जैसे रूम फ्रेशनर, अमृतधारा, जल परीक्षण किट आदि का प्रदर्शन भी किया गया जिससे मध्य प्रदेश के विभन्न महाविद्यालयों से आये छात्र लाभान्वित हो सकें। कार्यशाला के समापन समारोह में एम.पी.सी.एस.टी. के महानिदेशक श्री आर.के. आर्य द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित किए गए तथा प्रत्येक महाविद्यालयों की विशिष्टता के आधार पर प्रशिक्षण कार्य सम्पन्न कराने हेतु विषय–विशेषज्ञता उपलब्ध कराने की बात कही तथा भविष्य में प्रशिक्षण के नए आयाम विकसित करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल के प्राध्यापक डॉ. महेन्द्र सिंघई ने आभार व्यक्त किया।

———————

स्थानीय समस्याओं और जरूरतों के मुद्दों पर हो अनुसंधान बच्चों

भोपाल ● नई जरूरतों के संदर्भ में प्रशिक्षण का अर्थ और उद्देश्य का दायरा व्यापक हो गया है। कौशल और उद्यमशीलता में प्रतिस्पर्धा के लिए प्रशिक्षण जरूरी है। समाज की स्थानीय समस्याओं और जरूरतों के मुद्दों पर अनुसंधान करना चाहिए।

ये विचार मुख्य अतिथि बीयू के कुलपति प्रो. आरजे राव ने मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् तथा उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में व्यक्त किए। विषय वर्तमान परिदृश्य में प्रशिक्षण के नए आयाम था। परिषद् के महानिदेशक डॉ. आरके आर्य ने कहा कि विज्ञान की शोध और विकास (आरएडडी) समाज के अंतिम

भोपाल ● मनोरंजन से संस्थान का शु स्थित रघुनाथ संस्थान में ज एडवेन्चर गेम रखा गया है। बच्चों की सु

बरकतउल्ला विवि के कुलपति प्रो. आर.जे. राव ने कह

समाज की स्थानीय जरूरतों समस्याओं पर रिसर्च करें

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

'नई जरूरतों के हिसाब से प्रशिक्षण का अर्थ और उद्देश्य का दायरा व्यापक हो गया है। कौशल और उद्यमशीलता में प्रतिस्पर्धा के लिए आज प्रशिक्षण जरूरी है। समाज की स्थानीय समस्याओं और जरूरतों पर अनुसंधान करना चाहिए।'

यह कहना था बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.जे. राव का, जो शनिवार को म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। कार्यशाला का विषय 'वर्तमान परिदृश्य में प्रशिक्षण के नए आयाम' था। इस एक दिवसीय कार्यशाला ... उत्कृष्टता संस्थान के साथ

कॉलेजों का रिसर्च डाटाबेस शेयर किया जा

- परिषद् के महानिदेशक डॉ. आर.के. आर्य ने कहा कि विज्ञान की शोध और विकास योजनाओं का लाभ किसानों सहित समाज के अंतिम छोर तक पहुंचना चाहिए। कॉलेजों में रिसर्च सुविधाओं का एक डाटाबेस बनाकर नेटवर्किंग के माध्यम से शेयरिंग करना चाहिए।

साथ प्रदेश के कालेजों की फैकल्टी औ प्राध्यापकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में आइसर आईआईसी सीईओ डॉ. अमजद हुसैन ने साइंस एंड आंत्रप्रेन्योर विषय पर व्याख्यान दिया।